

पाठ - देवव्रत (अवधारणा मानचित्र)

1

युवती-रूप गंगा पर
मोहित होकर शांतनु
द्वारा विवाह-प्रस्ताव

4

वचन भूलने पर गंगा द्वारा शांतनु
छोड़कर जाना और पुत्र को कुछ समय
पाल-पोसकर लौटाने का आश्वासन

2

विवाह के लिए गंगा
की पुत्रों को नदी में
बहाने की शर्त

5

गंगा पुत्र देवव्रत द्वारा गंगा की धारा को
बाण द्वारा रोकते देख दंग रहना

3

आठवें पुत्र को नदी में
बहाने पर शांतनु द्वारा
गंगा को टोकना

6

गंगा का प्रकट होकर देवव्रत से
शांतनु का परिचय करवाकर देवव्रत
को शांतनु के साथ विदा करना